

तू सांभ लिया जोगिया

अग लगी जदों मेरी कखा दी कुली अंदर,
ओह रज रज के धुना सेकदे रहे,
जीवे खोल सी किसे मदारी दा,
इंज खड़े तमाशा वेखदे रहे,
मेरी हर हशरत सङ्के राख होई,
होई राख वी पैरा नाल कुरेददे रहे,
शरीर जख्मी सी रुह तड़फड़ी सी,
मेनू फेर वी बाजार च वेच्दे रहे,
गुरजीत गौतम जिहा तेनु मारेया ऐ,
इक वक्त सी ओह तेनु मथा टेकदे रहे,

मूल पाया साडा जोगी ने,
गल लाया सहनु जोगी ने,
तू सांभ लिया जोगियां नहीं ते रुल गए सी,
एह दुनिया दे लोकी जान नु तुल गये सी,
तू सांब लिया जोगियां.....

वादे तोड़े कझयां ने,
कझयां दिल मेरा तोडेया सी,
ओह दर ते खड़े इस मंगते नु,
ओहना दबके मार के मोडेया सी,
ओह होंसले सारे हंजू बनके डुल गये सी,
तू सांब लिया जोगियां.....

तेरी दुनिया विच गरीबा ते,
जने खने आ रोहब जमौदे ने,
जिउंदे दी पूत कोई पुछदा न,
लाशा नु खुभ स्जौन्दे ने,
धर्म कर्म दियां गलना,
सब सुन भूल गए सी,
तू सांब लिया जोगियां.....

इक ढंग रोटी इक ढंग पानी,
इक ढंग भुखेया सो लेना,
जदो हलाता तंग कर देना,
इकलेया बह के रो लेना,
मुसीबता वाली,
झखड़ सारे झूल गए सी,
तू सांब लिया जोगियां.....

ऐसी नजर मारी गोतम ते,
गल विच संगली पा छड़ी,
डरदी डरदी लुक जांदी सी,
अज नचन नु ला छड़ी,
तेरे प्यार विच नची,
मुकदर खुल गये सी,
तू सांब लिया जोगियां.....

अँग लँगी जड़ें भेरी, कँखां दी कुँली अंदर,
उह रँज रँज के, पुँणा मेकदे रहे ।
जिवें खेल सी किसे, मदारी दा,
इँझ खड़े उभासा, वेखदे रहे ।
भेरी हर हसरत, सङ्कुवे राख होई,
होई राख वी पैरां नाल, कुरेददे रहे ।
सरीर ज़खमी सी, रुह उङ्घटदी सी,
मैनुँ ढेर वी बज्जार 'च, बेचदे रहे ।
गुरजीउ गौँठम, जिहनां तैनुँ मारिआ ए,
इँक वक्त सी ओह तैनुँ, मँखा टेकदे रहे ॥

मुँल पाइਆ साड़ा जोरी ने,
ग़ल लाइआ सानुँ जोरी ने x॥
तੂँ सांछ लिआ जोरीआ, नहीं ते रुँल गाए सी ॥
ऐह दुनीआं दे ॥ लेकीं जान नुँ, तुँल गाए सी,
तੂँ सांछ लिआ जोरीआ,,,,,,,,,,,,

वाअदे तेझे, कटीआं ने,
"कटीआं दिल मेरा, तेझिआं सी" ।
ओह दर ते खड़े, इस मंगडे नुँ,
"उहना दँबके मार के, मेझिआ सी" ।
ओह हँसले ॥ सारे,
हँसु बटके छँसु गाए सी,
तੂँ सांछ लिआ जोरीआ,,,,,,,,,,

तेरी दुनीआं विँच, गरीबां ते,
"जटे खटे आ, रोहब जमाउदे ने" ।
जिओदे दी पँड, कैटी पुँछदा ना,
"लासां नुँ खुब, सजाउदे ने" ।
यरम करम दीआं ॥ गौँलां,
मऱ मुण बुँल गाए सी,
तੂँ सांछ लिआ जोरीआ,,,,,,,,

ਇੱਕ ਡੰਗ ਰੋਟੀ, ਇੱਕ ਡੰਗ ਪਾਣੀ,
"ਇੱਕ ਡੰਗ ਭੁਖਿਆਂ, ਸੌਂ ਲੈਣਾ" ।
ਜਦੋਂ ਹਲਾਤਾਂ, ਤੰਗ ਕਰ ਦੇਣਾ,
"ਇਕੱਲਿਆਂ ਬਹਿ ਕੇ ਰੋ ਲੈਣਾ" ।
ਮੁਸੀਬਤਾਂ ॥ ਵਾਲੇ,
ਝੱਖੜ ਸਾਰੇ, ਝੁੱਲ ਗਏ ਸੀ,
ਤੂੰ ਸਾਂਭ ਲਿਆ ਜੋਰੀਆ,,,,,,,,,,

ਐਸੀ ਨਜ਼ਰ, ਮਾਰੀ ਗੌਤਮ ਤੇ,
"ਗਲ ਵਿੱਚ ਸੰਗਲੀ, ਪਾ ਛੱਡੀ" ।
ਡਰਦੀ ਡਰਦੀ, ਲੁੱਕ ਜਾਂਦੀ ਸੀ,
"ਅੱਜ ਨੱਚਣ ਨੂੰ, ਲਾ ਛੱਡੀ" ।
ਤੇਰੇ ਪਿਆਰ ਵਿੱਚ ॥ ਨੱਚੀ,
ਮੁਕੱਦਰ ਖੁੱਲ ਗਏ ਸੀ,
ਤੂੰ ਸਾਂਭ ਲਿਆ ਜੋਰੀਆ,,,,,,,,
ਅਪਲੋਡਰ- ਅਨਿਲਰਾਮੂਰਤੀਭੋਪਾਲ

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12609/title/tu-sanmbh-leya-jogiyan>

ਅਪਨੇ Android ਮੋਬਾਇਲ ਪਰ [BhajanGanga](#) App ਡਾਊਨਲੋਡ ਕਰੋ ਔਰ ਭਜਨਾਂ ਕਾ ਆਨੰਦ ਲੋ ।